पांच नाग पकड़ कर लाया प्रकट खेल रचाया लिरिक्स

पांच नाग पकड़ कर लाया,
प्रकट खेल रचाया,
हेली जोगी जग में आया।bd।

सत री संगत महापुरुष की लाया,
खीलन मंत्र सिखाया,
एन सेन में साधी साधना,
नाग नजर मिलाया।bd।

परा का भेद पस्मती को जाने,
सोहंग चाप जपाया,
पर पसमती मदा बेकरी,
चार तार ओलकाया।bd।

नाम कमल में हुती नागिनी,
विनय आर जगाया,
पांच ने मार पच्चीस बस कीना,
एक करण लाया।bd।

मोहन के मुख मुरली बाजे,
अनहद राग सुनाया,
वह राग कोई शूरवीर सुने,
कायर भाग आ जाए।bd।

मन्ने मिलिया मच्छिंद्र जोगी,
भिन भीन कर समझाया,
मच्छिंद्र शरण गोरख बोले,
अजर अमर कर पाया।bd।

पांच नाग पकड़ कर लाया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

प्रकट खेल रचाया,
हेली जोगी जग में आया।bd।

गायक – जीवारामजी।
प्रेषक – लकी धनगर।
6376790752

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com